

**BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME
(BDP)**

01210 **Term-End Examination**
December, 2014

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY
BPYE-002 : TRIBAL AND DALIT PHILOSOPHY

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

Note : Answer *all* the *five* questions. All questions carry equal marks. Answer to questions no. 1 and 2 should be in about 400 words each.

1. Discuss in detail the significance of tribal folklore. 20

OR

What do you understand by marginalization ? Explain the deconstruction of dalit marginalization. 20

2. Tribals live in harmony with divine, tribe, nature. Comment. How do they express this harmony through their celebration of (a) Sarhul feast and (b) Karam feast ? 20

OR

Concerning caste system, what is the teaching of Manu and Manusmriti ? Give your comments on this teaching. 20

3. Answer any **two** of the following questions in about 200 words each :

- (a) What do you understand by kinship ? Explain the role of 'clan' in tribal kinship structures. 10
- (b) What are the impacts of unbalanced industrial development upon the tribal societies in different parts of the country ? 10
- (c) Violence against the dalits can be considered as structural. Discuss the economic structures of violence against the dalits. 10
- (d) What are the duties of the National Commission for Scheduled Castes and Scheduled Tribes ? 10

4. Answer any **four** of the following questions in about 150 words each :

- (a) Discuss the law of inheritance in the tribal society. 5
- (b) Describe some of the core tribal values. 5
- (c) What is the tribal idea of the survival of human soul after death ? 5
- (d) How do you approach the politics of number in the dalit outlook of the world ? 5
- (e) What are the limits of applicability of Gramscian concepts in understanding dalit politics in India ? 5
- (f) Explain the concept of evil in the tribal moral outlook. 5

5. Write short notes on any *five* of the following in about 100 words each :

- | | |
|------------------------------------|---|
| (a) Phagua | 4 |
| (b) Reserve-Respect Relationship | 4 |
| (c) Tribal Village Council | 4 |
| (d) Parha Organisation | 4 |
| (e) Tribal Partition Law | 4 |
| (f) Diku | 4 |
| (g) Christianity and Dalit Problem | 4 |
| (h) Hegemony | 4 |
-

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2014

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र

बी.पी.वाई.ई.-002 : जनजातीय और दलित दर्शन

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
प्रश्न सं. 1 और 2 के उत्तर लगभग 400 शब्दों (प्रत्येक) में
दीजिए।

1. जनजातीय लोक-साहित्य (folklore) के महत्त्व की विस्तार से विवेचना कीजिए। 20

अथवा

हाशियेकरण से आप क्या समझते हैं ? दलित हाशियेकरण के विखण्डन की व्याख्या कीजिए। 20

2. जनजातीय समाज दैवीय, जनजाति, प्रकृति के साथ मेल में रहता है। टिप्पणी कीजिए। वे कैसे इस मेल को अपने (क) सरहुल (ख) करम उत्सवों के माध्यम से व्यक्त करते हैं ? 20

अथवा

जाति व्यवस्था के सन्दर्भ में, मनु और मनुस्मृति की क्या शिक्षाएँ हैं ? इस शिक्षा पर अपनी टिप्पणी दीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 200 शब्दों (प्रत्येक) में उत्तर दीजिए :
- (क) नातेदारी व्यवस्था से आप क्या समझते हैं ? जनजातीय नातेदारी व्यवस्था में 'कुल' (क्लैन) की भूमिका की व्याख्या कीजिए । 10
- (ख) असंतुलित औद्योगिक विकास का देश के विभिन्न भागों में बसने वाले जनजातीय समाजों पर क्या प्रभाव पड़ा है ? 10
- (ग) दलितों के प्रति हिंसा को ढाँचागत हिंसा समझा जा सकता है । दलितों के प्रति आर्थिक ढाँचागत हिंसा की विवेचना कीजिए । 10
- (घ) अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों के लिए राष्ट्रीय आयोग के क्या कर्तव्य हैं ? 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के लगभग 150 शब्दों (प्रत्येक) में उत्तर दीजिए :
- (क) जनजातीय समाज में उत्तराधिकार के नियम की विवेचना कीजिए । 5
- (ख) कुछ आधारभूत जनजातीय मूल्यों का वर्णन कीजिए । 5
- (ग) मृत्यु उपरान्त मानव आत्मा की अमरता के सम्बन्ध में जनजातीय विचार क्या है ? 5
- (घ) दलित विश्व-दृष्टि में संख्या की राजनीति को आप कैसे देखते हैं ? 5
- (ङ) भारत में दलित राजनीति को समझने के लिए ग्रामस्कीवादी संप्रत्ययों की अनुप्रयुक्तता की सीमाएँ क्या हैं ? 5
- (च) जनजातीय नैतिक दृष्टि में अशुभ के विचार की व्याख्या कीजिए । 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ
लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में लिखिए :

- | | |
|----------------------------|---|
| (क) फगुआ | 4 |
| (ख) आरक्षित-सम्मान सम्बन्ध | 4 |
| (ग) जनजातीय ग्राम सभा | 4 |
| (घ) परहा संस्था | 4 |
| (ङ) जनजातीय विभाजन नियम | 4 |
| (च) दिक् | 4 |
| (छ) ईसाइयत और दलित समस्या | 4 |
| (ज) आधिपत्य | 4 |
-